DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

15 June, 2024

डिजिटल स्वास्थ्य प्रोत्साहन योजना

संदर्भ: *केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल बनाने और उन्हें आयुष्मान भारत डिजिटल स्वास्थ्य खातों (ABHA ID) से जोड़ने के लिए डिजिटल स्वास्थ्य प्रोत्साहन योजना (DHIS) को एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है।*

➢ **लॉन्च की तारीख और उद्देश्य:**

- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के एक हिस्से के रूप में इसे 1 जनवरी, 2023 को लॉन्च किया गया।
- इसका उद्देश्य स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल बनाना और उन्हें आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (ABHA) नंबरों से जोड़ना है।

➢ **प्रोत्साहन और पात्रता:**

- स्वास्थ्य सुविधाएँ (अस्पताल, डायग्नोस्टिक लैब) और डिजिटल कंपनियाँ ₹4 करोड़ तक का लाभ ले सकती हैं।
- वित्तीय प्रोत्साहन डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड की उन संख्याओं पर आधारित हैं जो ABHA नंबरों से बनाए और लिंक किए गए हैं।
- इस हेतु अस्पताल, डायग्नोस्टिक लैब और डिजिटल स्वास्थ्य समाधान (HMIS, LMIS) आदि सभी लाभ प्रदाता के पात्र हैं।
- ABDM की स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्री (HFR) के साथ पंजीकृत होना चाहिए।

➢ **विस्तार और निधि उपयोग:**

- 1 जनवरी, 2023 को शुरू की गई इस योजना को अब 30 जून, 2025 तक बढ़ा दिया गया है।
- केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से निधि उपयोग पर रिपोर्ट देने का अनुरोध किया है।

➢ **भुगतान संरचना:**

- सरकारी और निजी अस्पताल, क्लीनिक, नर्सिंग होम, डायग्नोस्टिक लैब और फ़ार्मेसी को प्रति माह 100 से ज़्यादा लेनदेन पर ₹20 अतिरिक्त डिजिटल रिकॉर्ड मिलते हैं।
- सार्वजनिक और निजी दोनों संस्थाओं पर लागू।

➢ **विस्तार का कारण:**

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) ने डिजिटल स्वास्थ्य लेनदेन को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को डिजिटल स्वास्थ्य अपनाने में सहायता करने के लिए योजना का विस्तार किया।
- अप्रैल 2023 के अपडेट में डिजिटल अपनाने को और प्रोत्साहित करने के लिए लेनदेन की सीमा कम कर दी गई है।

➢ **भागीदारी और संवितरण:**

- 1,085 निजी सहित 4,005 स्वास्थ्य सेवा सुविधाएँ और 36 निजी कंपनियों सहित 41 DSC पंजीकृत हैं।
- 584 स्वास्थ्य सेवा सुविधाएँ और 12 DSC ने इस योजना का लाभ उठाया है।
- ₹34.5 करोड़ वितरित किए गए, जिसमें से ₹24.91 करोड़ स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए और ₹9.59 करोड़ डीएससी के लिए दिए गए।
- सार्वजनिक डीएससी में एनआईसी और सी-डैक शामिल हैं, जो ई-हॉस्पिटल और ई-सुश्रुत समाधान प्रदान करते हैं।
- प्रोत्साहन सार्वजनिक और निजी अस्पतालों और डिजिटल समाधान कंपनियों दोनों पर लागू होते हैं।

➢ **सरकारी सहायता और छूट:**

- एनएचए ने योजना को और अधिक सुलभ बनाने के लिए लेनदेन सीमा में कमी जैसी छूट शुरू की है।
- डिजिटलीकरण के लिए किफायती सॉफ्टवेयर समाधान प्रदान करने का लक्ष्य।

➢ **मरीजों के लिए लाभ:**

- **बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ** - डिजिटलीकृत स्वास्थ्य रिकॉर्ड के साथ सेवा की गुणवत्ता और सुविधा में वृद्धि होती है।
- **लागत और दक्षता** - बार-बार होने वाले परीक्षणों को कम करता है और अस्पतालों को डिजिटलीकरण लागत को मरीजों पर डालने से रोकता है।
- **बेहतर पहुँच** - मरीजों को कहीं से भी अपने पिछले सभी चिकित्सकीय इतिहास जानने की अनुमति देता है।
- **देखभाल की निरंतरता** - बेहतर समन्वय के लिए विभिन्न प्रदाताओं के बीच स्वास्थ्य रिकॉर्ड का निर्बाध साझाकरण सुनिश्चित करता है।
- **डेटा सुरक्षा और गोपनीयता** - डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित करता है, जिससे मरीजों को उनकी जानकारी तक पहुँच पर नियंत्रण मिलता है।
- **देखभाल की गुणवत्ता** - व्यापक रिकॉर्ड के साथ नैदानिक सटीकता और उपचार में सुधार करता है।
- **स्वास्थ्य सेवा वितरण में दक्षता** - प्रशासनिक कार्यों को सुव्यवस्थित करता है, समग्र दक्षता को बढ़ाता है।
- **स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के लिए सहायता** - प्रशासनिक बोझ को कम करता है, जिससे मरीज़ों की देखभाल पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जा सकता है।
- **राष्ट्रव्यापी प्रभाव** - डिजिटल इंडिया का समर्थन करते हुए एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना का निर्माण करता है।
- **स्वास्थ्य आईटी उद्योग को बढ़ावा** - स्वास्थ्य सूचना प्रौद्योगिकी में नवाचार और विकास को बढ़ावा देता है

राष्ट्रपति की क्षमादान शक्तियाँ

संदर्भ: *राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 22 दिसंबर, 2000 को लाल किले पर हुए आतंकवादी हमले के लिए दोषी ठहराए गए पाकिस्तानी नागरिक मोहम्मद आरिफ की दया याचिका को ठुकरा दिया है।*

- न्यायालय मृत्युदंड के मामलों में "दुर्लभ में से दुर्लभतम" मानक लागू करते हैं, जिसे 1980 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्थापित किया गया था (बचन सिंह बनाम पंजाब राज्य)।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- वर्ष 2015 में 262वें विधि आयोग की रिपोर्ट ने, आतंकवाद से संबंधित अपराधों और युद्ध छेड़ने को छोड़कर सभी अपराधों के लिए मृत्युदंड को "पूर्ण रूप से समाप्त" करने की सिफारिश की थी।

भारत में क्षमादान शक्ति:

➢ **परिभाषा और उद्देश्य:**

- क्षमादान शक्ति, आपराधिक न्याय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो सरकार के कार्यकारी, आमतौर पर राष्ट्रपति या राज्यपाल में निहित अधिकार को संदर्भित करता है। यह किसी अपराध के लिए दोषी ठहराए गए या सजा का सामना कर रहे व्यक्तियों को क्षमादान या रियायत प्रदान करता है।
- इसका प्राथमिक उद्देश्य दंड की गंभीरता को कम करने, न्याय के संभावित कुप्रबंधन को सुधारने और मानवीय चिंताओं को दूर करने के लिए न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप करना है।

➢ **भारत में उद्देश्य:**

- न्यायिक त्रुटियों को सुधारना।
- राष्ट्रपति या राज्यपाल द्वारा अत्यधिक कठोर समझी गई सजाओं से राहत प्रदान करना।

➢ **संवैधानिक प्रावधान:**

- **अनुच्छेद 72 - राष्ट्रपति की क्षमा शक्ति:** राष्ट्रपति को संघ कानून, कोर्ट मार्शल या मृत्यु दंड के विरुद्ध अपराधों के लिए सजा को माफ करने, उसे छोटा करने या स्थगित करने का अधिकार देता है।
- **अनुच्छेद 161 - राज्यपाल की क्षमा शक्ति:** राज्यपालों को राज्य कानूनों के विरुद्ध अपराधों के लिए समान अधिकार प्रदान करता है।

➢ **क्षमा के प्रकार:**

- **क्षमा**: सजा और दोषसिद्धि दोनों को हटाता है, दोषी को सभी सजाओं, दंडों और अयोग्यताओं से मुक्त करता है।
- **लघुकरण**: कठोर सजा के स्थान पर हल्की सजा देता है।
- **परिहार/छूट**: सजा की अवधि को उसके स्वरूप में परिवर्तन किए बिना कम करता है।
- **विराम**: विशेष परिस्थितियों के कारण कम सजा देता है।
- **प्रविलंबन:** दोषी को आगे की कार्रवाई करने में सक्षम बनाने के लिए अस्थायी रूप से निष्पादन को रोकता है।

➢ **राष्ट्रपति बनाम राज्यपाल एक तुलना:**

- **मृत्युदंड:** राष्ट्रपति मृत्युदंड को माफ कर सकते हैं, स्थगित कर सकते हैं, रोक सकते हैं, परिहार कर सकते हैं, निलंबित कर सकते हैं या परिवर्तित कर सकते हैं, जबकि राज्यपाल केवल इसे निलंबित, परिहार या परिवर्तित कर सकते हैं।
- **कोर्ट मार्शल:** राष्ट्रपति कोर्ट मार्शल (सैन्य न्यायालय) द्वारा दी गई सजा या दण्ड के संबंध में क्षमा, परिहार, परिहार, निलंबन, परिहार या परिहार कर सकते हैं, जबकि राज्यपाल के पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है।

➢ **प्रमुख न्यायिक उदाहरण:**

- **मारू राम बनाम भारत संघ मामला (1980)**: सर्वोच्च न्यायालय ने माना, कि राष्ट्रपति और राज्यपालों की क्षमा करने की शक्तियाँ पूरी तरह से न्यायिक समीक्षा के अधीन नहीं हैं।
- **केहर सिंह बनाम भारत संघ मामला (1988):** राष्ट्रपति द्वारा शक्ति के प्रयोग के लिए दिशा-निर्देश स्थापित किए गए, जिसमें उन परिस्थितियों को रेखांकित किया गया जहाँ न्यायिक समीक्षा की अनुमति है।

असंगठित क्षेत्र उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण (ASUSE) परिणाम

संदर्भ: *MoSPI ने अप्रैल 2021 से मार्च 2022 और अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के लिए ASUSE के प्रमुख परिणाम जारी कर दिए हैं।*

➢ **असंगठित क्षेत्र उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण (ASUSE):**

- यह विनिर्माण, व्यापार और अन्य सेवा क्षेत्रों (निर्माण को छोड़कर) में, असंगठित गैर-कृषि प्रतिष्ठानों की आर्थिक और परिचालन विशेषताओं को मापने के लिए राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) द्वारा संकल्पित है।
- ASUSE से प्राप्त आंकड़े राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी संकलित करने और मांग-पक्ष रोजगार परिदृश्यों का आकलन करने में मदद करता है।
- यह एमएसएमई, कपड़ा, श्रम और रोजगार जैसे विभिन्न मंत्रालयों और नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और हितधारकों के लिए इस क्षेत्र को समझने और समर्थन करने के लिए आवश्यक है।

ASUSE 2021-22 और ASUSE 2022-23 से मुख्य निष्कर्ष:

➢ **महामारी के प्रभाव के बीच लचीला विकास:**

- कुल प्रतिष्ठान 2021-22 में 5.97 करोड़ से बढ़कर 2022-23 में 6.50 करोड़ हो गए, जो उल्लेखनीय 5.88% वार्षिक वृद्धि दर दर्शाता है।
- COVID-19 महामारी द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, असंगठित क्षेत्र ने लचीलापन दिखाया, प्रतिष्ठानों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है।

➢ **क्षेत्रवार विस्तार:**

- अन्य सेवा क्षेत्र में 15.12% की मजबूत वार्षिक वृद्धि देखी गई, जो एक महत्वपूर्ण विस्तार का संकेत देती है।
- विनिर्माण प्रतिष्ठानों में भी सालाना 2.22% की वृद्धि हुई, जो महामारी के बाद धीरे-धीरे सुधार और खुलने को दर्शाता है।

➢ **श्रम बाजार में वृद्धि:**

- अक्टूबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच असंगठित गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार 9.8 करोड़ से बढ़कर 11 करोड़ श्रमिकों तक पहुंच गया, जो 7.84% की स्वस्थ वार्षिक वृद्धि दर दर्शाता है।
- अन्य सेवा क्षेत्र में रोजगार में सबसे अधिक वृद्धि 13.42% देखी गई, इसके बाद विनिर्माण क्षेत्र में 6.34% की वृद्धि देखी गई।

➢ **अनौपचारिक श्रमिक आय में सुधार:**

- अनौपचारिक श्रमिकों की औसत वार्षिक आय 2021-22 में 1,06,381 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 1,10,982 रुपये हो गई, जो मजदूरी की स्थिति में सुधार का संकेत है।
- यह क्षेत्र में अनौपचारिक श्रमिकों के लिए आय वृद्धि और आजीविका में सकारात्मक रुझान को दर्शाता है।

➢ **उत्पादकता में वृद्धि:**

- प्रति श्रमिक सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) 2022-23 में 1,41,769 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 1,41,769 रुपये हो गया। 2021-22 में यह 1,38,207 तक पहुंच गया, जो बेहतर श्रम उत्पादकता को दर्शाता है।
- प्रति प्रतिष्ठान सकल उत्पादन मूल्य (जीवीओ) में भी वृद्धि हुई, जो अधिक कुशल संसाधन उपयोग और उत्पादकता लाभ को दर्शाता है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

15 June, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

राज पर्व उत्सव

हाल ही में, भारत के राष्ट्रपति ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राज पर्व समारोह में भाग लिया।

राज पर्व उत्सव के बारे में:

- राज पर्व ओडिशा के सबसे अधिक मनाए जाने वाले उत्सवों में से एक है।
- उत्सव का नाम, राजा पर्व, "राजा" से आया है, जिसका अर्थ है "रजस्वला", जो मासिक धर्म वाली महिलाओं के लिए एक शब्द है और "परबा", जिसका अर्थ है उत्सव।
- यह तीन दिवसीय कृषि उत्सव मानसून की शुरुआत के दौरान मनाया जाता है, जो नारीत्व का उत्सव मनाने के लिए समर्पित है।
- उत्सव के दौरान, महिलाओं को धरती माता के अवतार के रूप में सम्मानित किया जाता है और उनकी विशेष देखभाल की जाती है।
- इसमें महिलाओं को आराम करने और नंगे पैर चलने से परहेज करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जो उनकी सम्मानित स्थिति का प्रतीक है।
- राज पर्व के दौरान, भगवान जगन्नाथ की पत्नी भूदेवी की पूजा की जाती है; महिलाएँ पहले दिन साड़ी या नए वस्त्र पहनती हैं जिसे **पहिली** कहा जाता है; और दूसरे और तीसरे दिन को क्रमशः मिथुन संक्रांति और बासी राज के रूप में जाना जाता है।

मयूरभंज छऊ नृत्य

राज पर्व महोत्सव के अवसर पर हाल ही में राज गीत, मयूरभंज छऊ नृत्य, संबलपुरी नृत्य और कर्मा नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शन किए गए।

मयूरभंज छऊ नृत्य:

- मयूरभंज छऊ ओडिशा के मयूरभंज जिले का एक मार्शल आर्ट नृत्य है।
- यह एक नाटकीय, लयबद्ध नृत्य है जो नृत्य को जोड़ता है और रात में खुले स्थानों पर पुरुषों द्वारा किया जाता है।
- यह नृत्य शहनाई और मोहरी रीड पाइप पर बजाए जाने वाले पारंपरिक लोक संगीत पर आधारित है।
- मयूरभंज छऊ की अपनी अलग शैली है और इसने कथक, भरत नाट्यम, कथकली, फर खंडा केला, अमदलिया जामदलिया, झूमर और उदय शंकर सहित अन्य नृत्य रूपों को प्रभावित किया है।
- छऊ तीन अलग-अलग शैलियों में मौजूद है, जिनमें से प्रत्येक का नाम उसके मूल स्थान के नाम पर रखा गया है: बंगाल का पुरुलिया छऊ, झारखंड का सेराइकेला छऊ और ओडिशा का मयूरभंज छऊ।
- इन उप-शैलियों के बीच एक उल्लेखनीय अंतर मुखौटों का उपयोग है।
- जबकि सेराइकेला और पुरुलिया शैलियों में उनके प्रदर्शन में मुखौटों को शामिल किया जाता है, मयूरभंज छऊ में किसी भी तरह का उपयोग नहीं किया जाता है।
- 2016 में, राज्य सरकार ने एक प्रदर्शन इकाई की स्थापना करके और ऑडिशन के माध्यम से 100 नर्तकियों का चयन करके मयूरभंज छऊ को पुनर्जीवित करने के लिए प्रोजेक्ट छौनी शुरू की।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मांग की कि सूडानी अर्धसैनिक बल दारफुर में एल फशर की आठ सप्ताह की घेराबंदी समाप्त करें।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बारे में:

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का एक अंग है और अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है।
- इसकी स्थापना 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर द्वारा की गई थी और यह संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक है।
- यह ऐसे निर्णय ले सकता है जिन्हें सदस्य देशों को लागू करना आवश्यक है, जैसे शांति स्थापना अभियान स्थापित करना, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध लगाना और सैन्य कार्रवाई को अधिकृत करना।
- यूएनएससी के अलावा, संयुक्त राष्ट्र के पाँच अन्य प्रमुख अंग हैं, जो महासभा (यूएनजीए), ट्रस्टीशिप परिषद, आर्थिक और सामाजिक परिषद, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय और सचिवालय हैं।
- यूएनएससी में 15 सदस्य होते हैं जिनमें पाँच स्थायी सदस्य (पी5) और दो साल के कार्यकाल के लिए चुने गए दस गैर-स्थायी सदस्य शामिल हैं और प्रत्येक सदस्य के पास एक वोट होता है।
- पांच स्थायी सदस्य चीन, फ्रांस, रूसी संघ, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं और उनके पास वीटो शक्ति है।
- इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क, यूएसए में है।

खीर भवानी मंदिर

हाल ही में, जम्मू और कश्मीर में, हजारों कश्मीरी पंडितों ने मेला खीर भवानी उत्सव के अवसर पर रागन्या देवी को समर्पित श्रद्धेय खीर भवानी मंदिर में देवी के दर्शन किए।

खीर भवानी मंदिर के बारे में:

- खीर भवानी मंदिर, जिसे रागन्या देवी मंदिर के रूप में भी जाना जाता है, जम्मू और कश्मीर के गंदेरबल के तुलमुल्ला गाँव में एक हिंदू तीर्थस्थल है।
- यह देवी खीर भवानी को समर्पित है और एक पवित्र झरने के ऊपर बना है।
- मंदिर एक झरने के बीच में बना है, जो बड़े पत्थरों से घिरा हुआ है और इसमें चिकने पत्थरों का फर्श है।
- मंदिर क्षेत्र में प्राचीन चिनार के पेड़ भी हैं, जहाँ तीर्थयात्री घास की चटाई पर बैठ सकते हैं या सो सकते हैं।
- मंदिर, तालाब और झरने की वर्तमान संरचना 1910 के दशक में जम्मू और कश्मीर के महाराजा प्रताप सिंह के अधीन बनाई गई थी और बाद में महाराजा हरि सिंह द्वारा इसका जीर्णोद्धार किया गया था।
- खीर भवानी का उल्लेख कल्हण की राजतरंगिणी और भृगु संहिता जैसे प्राचीन ग्रंथों में मिलता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

पर्यावरण डीएनए

हाल ही में, 2022 विश्व वन्यजीव कोष की रिपोर्ट ने 1970 के बाद से वैश्विक मीठे पानी के कशेरुकी की संख्या में 83% की गिरावट को संदर्भित किया, जिसमें पर्यावरण डीएनए (ईडीएनए) विश्लेषण का उपयोग करके बढ़ी हुई निगरानी और संरक्षण प्रयासों की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया गया।

पर्यावरण डीएनए के बारे में:

- पर्यावरण डीएनए (ईडीएनए) जीवों द्वारा बलगम, मल और ऊतक कणों जैसे स्रोतों के माध्यम से अपने पर्यावरण में छोड़े गए डीएनए टुकड़ों को संदर्भित करता है।
- यह पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना पारिस्थितिकी तंत्र की जैव विविधता और स्वास्थ्य के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करता है।
- इन डीएनए टुकड़ों को प्राप्त करने के लिए पानी के नमूनों को छानकर एकत्र किया जाता है।
- फ़िल्टर से निकाले गए विशिष्ट टैक्सोनोमिक समूहों के लिए इसे विश्लेषित किया जाता है, मौजूद जीवों की पहचान करने के लिए डेटाबेस के साथ अनुक्रमित और क्रॉस-रेफ़रेंस किया जाता है।
- इसका विश्लेषण आसानी से मानकीकृत और स्वचालित है जो जीवों की एक विस्तृत श्रृंखला का पता लगा सकता है, इसमें नागरिक वैज्ञानिक शामिल होते हैं और यह पर्यावरण के लिए गैर-विनाशकारी है।

सुर्खियों में स्थल

आर्मेनिया

हाल ही में, नासा प्रशासक बिल नेल्सन ने वाशिंगटन में नासा मुख्यालय में एक समारोह के दौरान आर्टेमिस समझौते के नवीनतम हस्ताक्षरकर्ता के रूप में आर्मेनिया का स्वागत किया

आर्मेनिया: (राजधानी: येरेवन)

अवस्थिति: आर्मेनिया पश्चिम एशिया के अर्मेनियाई हाइलैंड्स में स्थित एक भूमि से घिरा हुआ देश है।

राजनीतिक सीमाएँ: आर्मेनिया की सीमाएँ अज़रबैजान (पूर्व), तुर्की (पश्चिम), जॉर्जिया (उत्तर) और ईरान और नखचिवन (दक्षिण) के अज़रबैजानी एक्सक्लेव के साथ साझा होती हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- आर्मेनिया का सबसे ऊँचा स्थान माउंट आरागाट्स है।
- आर्मेनिया की प्रमुख नदियों में अरास, देबेड, ह्राज़दान और वोरोटन शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक देश के भूगोल और जल संसाधनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- आर्मेनिया में तांबा, मोलिब्डेनम, सोना आदि सहित विभिन्न खनिज मौजूद हैं।

सदस्यता: आर्मेनिया संयुक्त राष्ट्र, स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) और सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ) सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में, किस शहर की कंपनी ने भारत में पहली बार जीरो-नॉलेज प्रूफ़ (ZKP) ब्लॉकचेन तकनीक पेश की? – **हैदराबाद**
- राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (NTTM) की अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति ने हाल ही में किस योजना के तहत 7 स्टार्टअप प्रस्तावों को मंज़ूरी दी? – **ग्रेट योजना**
- हाल ही में, 2024 के कावली पुरस्कार के विजेताओं की घोषणा किस क्षेत्र में उनके योगदान के लिए की गई? – **खगोल भौतिकी, तंत्रिका विज्ञान और नैनो विज्ञान**
- 11 जून, 2024 को जारी एक अध्ययन के अनुसार, कौन से ओजोन-क्षयकारी पदार्थ (ODS) ने वायुमंडलीय सांद्रता में पहली बार महत्वपूर्ण कमी दिखाई है? – **हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (HCFC)**
- वैज्ञानिकों ने हाल ही में मंगल ग्रह की किस प्रमुख विशेषता पर पाला पाया है, जो ग्रह पर सक्रिय जल चक्र का संकेत देता है? – **ओलंपस मॉन्स**